विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – षष्ठ **दिनांक -१६ -०७ - २०२१**

विषय -हिन्दी **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज स,सी,ए ,के अंतर्गत चित्र बनाएंगे।

हम पंछी उन्मुक्त गगन के –

नीले आसमान में उड़ान भरतीं उन्मुक्त चिड़ियाँ।

एक बार की बात एक माँ अपने छोटे बेटे को देखी की वह चिड़िया पालने की जिद ठान ली है तब उसे बड़ी मुश्किल हो गई। चिड़ियों को पिंजरे में रखना मुझे कभी पसंद नहीं रहा। बचपन में ही "हम पंक्षी उन्मुक्त गगन" के शीर्षक कविता मैंने पढ़ी थी, उसी को ध्यान में रखकर मैंने बेटे को एक कहानी सुनाई कि कैसे एक चिड़िया एक दिन एक शिकारी के द्वारा

पकड़ ली गई। और उस शिकारी से उस चिड़िया को एक आदमी ने खरीदकर अपने घर में रख लिया। उसके बाद से वो चिड़िया बहुत दुखी रहने लगी…. वह अपने मम्मी- पापा, भाई- बहन, दोस्त सबसे अलग हो गई थी। और उसे अब कुछ अच्छा नहीं लग रहा था.. । कहानी सुनने के बाद मेरे बेटे ने अपनी जिद छोड़ दी। अगर मैं उसे उपदेश की तरह यह बात समझाती तो शायद वो नहीं समझता।